Public Transport Forum

Statement on Delhi Government's Decision to Redevelop Bus Shelters

May 31, 2026

Public Transport Forum (PTF) welcomes the Delhi government's decision to redevelop bus shelters across the city. This is a much-needed investment in public transport infrastructure and reflects concerns that PTF highlighted in its letter to the Delhi Chief Minister on 17 April 2026, as well as findings from our recent bus shelter audit.

At the same time, we hope the redevelopment is guided by evidence and the actual needs of bus users. Public money should go towards improvements that people need and use in the longer run. Past discussions around expensive ideas such as air-conditioned bus stops have raised concerns about priorities. Our audit and conversations with commuters point to more urgent requirements for bus stops: clear and accessible route information, real-time bus arrival displays to ease the waiting experience, proper seating that does not punish someone for resting, adequate lighting, protection from sun and rain, accessibility for people with disabilities, pedestrian crossing near bus stops, better governance of bus bay areas to keep those obstruction-free, and other design recommendations under UTTIPEC guidelines.

We also consider that this project offers an opportunity to involve citizens directly in shaping public transport infrastructure of Delhi. We hope the government will create channels for public feedback at different stages of planning and implementation. People who regularly use buses have valuable knowledge about what would work and what would not based on their needs and experiences.

At the same time, it is equally important that the benefits of this programme reach *all* parts of Delhi. Areas that are often overlooked in transport investments, including villages, resettlement colonies and other low-income settlements, should receive special attention. Many of these areas continue to face poor access to public transport facilities and deserve priority in any citywide upgrade.

Email: ptfdelhi@gmail.com | ptf.neocities.org | X: @ptf_delhi | Insta: publictransportforum | Spotify

PTF will continue to follow developments closely and share evidence and feedback from bus users. We look forward to engaging constructively with the process and helping ensure that the redevelopment strengthens the experience of everyday bus travel across Delhi.

Sincerely,

Nishant

On behalf of
Public Transport Forum (PTF)

Delhi, India.

For media queries and further information:
Email: ptfdelhi@gmail.com
Website: ptf.neocities.org | X: @ptf_delhi | Insta: publictransportforum

[हिंदी में पढ़ने के लिए कृपया अगले पन्ने पर जायें]

PUBLIC TRANSPORT FORUM

पब्लिक ट्रांसपोर्ट फोरम

दिल्ली सरकार के बस शेल्टर पुनर्विकास के फैसले पर बयान

31 मई 2026

पब्लिक ट्रांसपोर्ट फोरम (PTF) दिल्ली सरकार के पूरे शहर में बस शेल्टरों के पुनर्विकास के फैसले का स्वागत करता है। सार्वजनिक परिवहन के लिए यह एक ज़रूरी निवेश है। इस फैसले के सम्बन्ध में हम याद दिलाना चाहेंगे कि PTF ने 17 अप्रैल 2026 को दिल्ली की माननीया मुख्यमंत्री को भेजे अपने पत्र में इन मुद्दों को उठाया था और हमारे हालिया बस शेल्टर ऑडिट के निष्कर्षों में भी ये मुद्दे सामने आए थे।

हम उम्मीद करते हैं कि यह पुनर्विकास बस यात्रियों की असली ज़रूरतों और उपलब्ध प्रमाणों के आधार पर किया जाएगा। जनता के पैसे का इस्तेमाल ऐसी सुविधाओं पर होना चाहिए जिनकी लोगों को सचमुच ज़रूरत है और जिनका फायदा लंबे समय तक मिले। वातानुकूलित बस स्टॉप जैसी महँगे उपायों को लेकर पहले भी सवाल उठे हैं। हमारे ऑडिट और यात्रियों से हुई बातचीत से साफ है कि बस स्टॉपों पर कुछ सुविधाएं कहीं ज़्यादा ज़रूरी हैं। इनमें रूट-सम्बन्धी जानकारी का आसान और साफ तौर पर दिखाया जाना, बस आने का वास्तविक समय बताने वाले डिस्प्ले/ऑडियो सिस्टम, आरामदायक बैठने की व्यवस्था, पर्याप्त रोशनी, धूप और बारिश से बचाव, दिव्यांग लोगों के लिए उपयुक्त व्यवस्था, बस स्टॉप के पास सुरक्षित सड़क पार करने की सुविधा, बस-बे क्षेत्रों को अवरोधों और अवैध पार्किंग से मुक्त रखने की व्यवस्था, तथा UTTIPEC दिशानिर्देशों के अनुरूप अन्य ज़रूरी सुविधाएं शामिल हैं।

हम यह भी मानते हैं कि यह परियोजना दिल्ली के सार्वजनिक परिवहन ढांचे को बेहतर बनाने में नागरिकों की सीधी भागीदारी का एक महत्वपूर्ण अवसर है। हमारी उम्मीद है कि सरकार योजना बनाने और उसे लागू करने के विभिन्न चरणों में लोगों की राय और सुझाव लेने के लिए खुले और पारदर्शी मंच बनाएगी। जो लोग रोज़ बसों से सफर करते हैं, उनके अनुभव और समझ इस प्रक्रिया के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

इसके साथ यह भी ज़रूरी है कि इस कार्यक्रम का लाभ दिल्ली के हर हिस्से तक पहुंचे। गांवों, पुनर्वास कॉलोनियों और अन्य कम आय वाले इलाकों को विशेष ध्यान मिलना चाहिए, क्योंकि परिवहन से जुड़े निवेशों में इन्हें अक्सर पीछे छोड़ दिया जाता है। ऐसे कई इलाकों में आज भी सार्वजनिक परिवहन की बुनियादी सुविधाओं की कमी है और किसी भी शहरव्यापी सुधार अभियान में इन्हें प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

Email: ptfdelhi@gmail.com | ptf.neocities.org | X: @ptf_delhi | Insta: publictransportforum | Spotify

PTF इस पूरी प्रक्रिया पर नज़र बनाए रखेगा और बस यात्रियों के अनुभवों तथा प्रमाणों को साझा करता रहेगा। हम इस प्रक्रिया में रचनात्मक रूप से जुड़ने के अवसर तलाशेंगे और उम्मीद करते हैं कि यह पुनर्विकास दिल्ली में रोज़ बस से सफर करने वाले लोगों के अनुभव को बेहतर बनाने में मदद करेगा।

साभार,

निशान्त

पब्लिक ट्रांसपोर्ट फोरम
दिल्ली, भारत.

मीडिया संबंधी प्रश्नों और अधिक जानकारी के लिए:

Email: ptfdelhi@gmail.com
Website: ptf.neocities.org | X: @ptf_delhi | Insta: publictransportforum